जवाहरलाल नेहरु कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग

प्रेषक :डॉ. शेखर सिंह बघेल
सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी

क्रमांक 90
दिनांक 07.06.2022

विद्यार्थियों का समग्र विकास हेतु फैकल्टी द्वारा सही दिशा निदेश की अति आवश्यकता– डॉ. धीरेन्द्र खरे

नाहेप अंतर्गत पांच दिवसीय ऑनलाइन प्रोग्राम का समापन

जबलपुर 07 जून। जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय के अंतर्गत कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय जबलपुर में कृषि में उच्च शिक्षा हेतु संचालित विश्व बैंक पोषित परियोजना द्वारा प्रदेश एवं देश के ख्यातिलब्ध विभिन्न विश्वविद्यालयों के महाविद्यालय से 194 शिक्षकों एवं वैज्ञानिकों ने भाग लिया। शैक्षणिक रूप से कमजोर छात्रों के प्रदर्शन में सुधार के लिए पाच दिवसीय ऑनलाइन फैकेल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम का समापन हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉ. धीरेंद्र खरे द्वारा की गई। कार्यक्रम के समापन अवसर पर डॉ. खरे ने कार्यक्रम की उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वर्तमान परिवेश में विश्वविद्यालयों को जरूरत है कि उन कमजोर छात्रों के विषय में सोचे जिन पर अत्याधिक ध्यान देने की जरूरत है। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में मुख्य अन्वेषक नाहेप डॉ. आर. के. नेमा सम्मिलित हुए। उन्होंने नाहेप की महत्ता एवं इसके अधीन चल रहे विभिन्न कार्यक्रमों के विषय में बताया। कार्यक्रम के विभिन्न मुख्यवक्ताओं के रूप में प्रोफेसर दामोदर द्वारा शिक्षण का मूलरूप, डॉ नगीम द्वारा शिक्षक की भूमिका फ्लोर, काइट–बोड, पीपीटी और समय प्रबंधन का उपयोग कैसे करें, डॉ. कौशल शर्मा द्वारा शिक्षण अध्ययन और शिक्षण कौशल, डॉ. शरद सुंदरम द्वारा कक्षा प्रबंधन और सूक्ष्म शिक्षण कौशल एवं डॉ. कल्याण चक्रवर्ती जो कि एक अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त ट्रेनर है, उनके द्वारा टीचिंग के नए–नए आयामो की जानकारी प्रदान की गई। उन्होंने वर्तमान परिवेश में नई शिक्षा नीति की महत्ता के विषय में भी बताया। डॉ. अनिल मिश्रा सहायक प्राध्यापक के समन्वय, डॉ. अनुपमा वर्मा संचालन में, कार्यक्रम को सफल बनाने में ओम प्रकाश प्रजापति, एसआरएफ नाहेप द्वारा तकनीकी योगदान रहा।

–000–